

SEAL (v.) : I. To put a s. to : मुद्रयति (मुद्र, c. 10.), s. *it with this s.* : अनया मुद्रया मुद्रयैनम्, Mu. i. ; *this is the s.ed letter* : अयं स मुद्रितो लेखः. II. To confirm : q.v. III. Shut, close : q.v. : बध्नाति (बन्ध्, c. 9.), "s. up lips" : मुखं बध्नाति.

SEALING-WAX : लाक्षा (rare राक्षा).

SEAM : I. In gen. : सन्धिः. II. Cicatrix : शुष्कव्रणः.

SEAMAN : नाविक : v. Sailor.

SEAMANSIP : (1) नाविकता, -त्वम् ; (2) पोतवाहनम्, and sim. comp.s.

SEAMLESS : (1) विसन्धि (mf.) ; (2) वीतसन्धि (mf.) ; and sim. comp.s.

SEAR : I. Adj. : संशुष्क (f. ष्का) : v. Dry. II. Verb : निर्दहति (दह्, c. 1.) : v. To burn, scorch, dry.

SEARCH : (1) अन्विव्यति (इष्, c. 4.), to s. (his) sister : स्वसारमन्वेष्टुम्, C. vii. ; s. *ing skilfully in his own house* : स्वगृहे निपुणमन्विव्यन्, D. ii. ; (2) मार्गयति or मृगयति, -ते, वि-, परि-, (मृग्, c. 10.), and I cannot s. for Sitā elsewhere : न चान्यत्र मया शक्या वैदेही परिमार्गितुम्, Ram. v. 15. 61. ; (3) विचिनोति (चि, c. 5.), (whom) you are s. *ing from wood to wood* : विचिनोषि वने वने, Vi. v. 24. ; *sleeping and sick (men) in forests should be s.ed* : सुप्ता रोगार्ताश्च वने विचेयाः, Ve. vi. 3. ; (4) गवेषयति (rare), Ri.

SEARCH INTO : गवेषयति : v. To examine, enquire.

SEARCH OUT : अन्विव्य etc. उपलभते (लभ्, c. 1. = to find out : q.v.), *he himself has been s.ed out* : सोऽप्युलब्धः, Ve. vi. ; *we could not s. them out* : न हि विचो गतिं तेषां वासञ्च, Mah. iv. 26. 14.

SEARCH (subs.) : I. Lit. : (1) अन्वेषणम्, -णा, *there is going on s. for this* : एतस्यैव अन्वेषणा वर्तते, V. ii. ; (2) मार्गणम्, वि-, परि-, *it was proper to make its s.* : तस्य विमार्गणं नयः, Ki. xiv. 9. ; (3) विचयः, -नम् (rare), लङ्काविचयः, Ram. : v. II. Examination, enquiry : q.v. : (1) अन्वीक्षणम् ; (2) गवेषणा.

SEARCHER : (1) अन्वेष्टृ (f. ह्री), *many s.s have been sent after her* : अन्वेष्टारस्तां प्रति प्रभृताः प्रहिताः,

C. vii. ; (2) अन्वेषक (f. षिका) ; (3) गवेषक (f. षिका = enquirer).

SEARCHING (adj.) : (1) निपुण (f. णा) : v. Skilful ; (2) अविहत (f. ता) : v. Attentive ; (3) सूक्ष्म (f. क्ष्मा) : v. Minute.

SEASON (subs.) : I. Of the year : (1) ऋतुः, *the s.s attend him like common gardeners* : उद्यानपालसामान्यमृतवस्तुपासते, Ku. ii. 36. ; (2) कालः (=time), *the hot s.* : निदाघकालः, Ri. II. =time : q.v. : कालः, *for a s.* : कश्चित् कालम्, Mu. i. ; *in due s.* : काले.

SEASON (v.) : I. To flavour : (1) वासयति, अधि-, (वास्, c. 10.) ; (2) often by योजयति, सं-, (=to unite), Bha. II. To habituate, accustom : q.v. : प्रगुणं (f. णां) करोति, R. ix. 49.

SEASONABLE : (1) सामयिक (f. की) : v. Timely ; (2) उपयुक्त (f. क्ता) : v. Suitable, proper.

SEASONABLENESS : (1) सामयिकता ; (2) उपयुक्तता ; (3) by adj.

SEASONABLY : (1) यथाकालम् : v. Timely ; (2) उपयुक्तम् : v. Properly.

SEASONING (subs.) : उपस्करः : v. Also relish.

SEAT (subs.) : I. For sitting : (1) आसनम्, *take this s.* : इदमासनमास्यताम्, Mu. i. ; आसन-परिग्रहं करोतु, U. iii. ; *from the s. of justice* : धर्मासनात्, U. i. 7. ; (2) पीठ (mn. : diminutive पीठिका = a bench, stool), *on a golden-legged s.* : हेमपादाङ्कितायां पीठिकायाम्, K. ; (3) पर्यङ्कः (a sort of sofa), *on a golden s. covered with Ranku's skin* : सौवर्णे पर्यङ्के राङ्गवास्तृते, Ram. ii. 13. 6. ; (4) आसन्दी (= a bamboo chair), *when Vaisampāyana was s.ed* : आसन्धामुपविष्टे वैशम्पायने, K. ; (5) शयनम् or शयनीयम् (for lying down) : v. Bed ; (6) विष्टरः (rare), *s.ed* : विष्टरमाज् (mf.), R. v. 3. II. Station, abode : (1) स्थानम्, *the s. of our ancestors* : स्थानं नः पूर्वजानाम्, B. xxii. 28. ; (2) धामन् (n.), *the s. of fortitude* : धाम धैर्यस्य, K. ; (3) आयतनम्, *s. of all misconduct* : सर्वाविनयानामायतनम्, K. : v. Abode. III. Regular place of sitting : perh. स्थानम्. IV. That part on which a person sits : आसनम्, Si. v. 7. V. In riding : expr. by verb.